वैदिक काल / हिन्दु धर्म	बौद्ध काल / जैन धर्म	मुस्लिम काल / मध्यकालीन
ईसा पूर्व से 600 वर्षों तक	600 वर्षों से 12 वी शताब्दी	12 वी शताब्दी से 18वी शताब्दी
	शिक्षा के उद्देश्य एवं आदर्श →	
1) संस्कृति का संरक्षण एवं विकास करना। 2) जीविकोपार्जन एवं कला कौशल। 3) नैतिक एवं चारित्रिक विकास 4) ज्ञान का विकास करना। 5) आध्यात्मिक विकास।	1) निर्वाण की प्राप्ति (अष्टांग मार्ग द्वारा) 2) जीविकोपार्जन के लिये तैयार करना। 3) नैतिक एवं चारित्रिक विकास 4) राष्ट्रीय संस्कृति का संरक्षण, तथा विकास करना। 5) धार्मिक शिक्षा देना। 6) बालकों का सर्वांगिण विकास करना।	1) इस्लाम धर्म का प्रचार व प्रसार करना। 2) सांसरिक एश्वर्य प्राप्ति। 3) नैतिक एवं चारित्रिक विकास (भारतीय संस्कृति से भिन्न) 4) शासन के प्रति वफादारी। 5) अरबी - फारसी भाषा का विकास करना।
	शिक्षा का पाठ्यक्रम →	
(लौकिक) अपरा → व्याकरण, भाषा, वाणिज्य कौशल, राजनैतिक शास्त्र, भाषा शास्त्र, सैन्य शिक्षा... (अलौकिक) परा → वेद, उपनिषद्, पुराण...	प्रारम्भिक शिक्षा → लिखना-पढ़ना, साधारण गणित, मठ प्रशासन का ज्ञान उच्च शिक्षा → ई विज्ञान, व्याकरण, संस्कृति, नक्षत्र शास्त्र, कौशल, शिल्प	प्रारम्भिक शिक्षा → पढ़ना-लिखना, साधारण गणित, अरबी फारसी, उर्दू। उच्च शिक्षा → अरबी, व्याकरण, गद्य साहित्य, सामाजिक विषय संगीत, चित्रकला...

शिक्षण विधियाँ →

मौखिक, अभ्यास, प्रश्नोत्तर, वाद-विवाद, अनुकरण आदि।	व्याख्यान, प्रश्नोत्तर, अनुकरण, वाद-विवाद, सम्मेलन, प्रदर्शन, देशाटन, स्वाध्याय आदि।	अनुकरण, स्मरण, भाषा व्याख्या, तर्क-वितर्क, प्रश्नोत्तरी विधि।

प्रवेश संस्कार →

उपनयन संस्कार →	पब्बजा संस्कार →	बिस्मिल्लाह रस्म →
बालक विद्या की देवी सरस्वती की विधिवत वन्दना करता था, उसके बाद बालक को गुरु मन्त्र से दिक्षित किया जाता था।	शिष्यों को पीले वस्त्र पहनकर (चिसितरा), सर मुण्डवाकर - बुद्धम शरणं गच्छामि धम्मं शरणं गच्छामि संघम शरणं गच्छामि। को 3 बार जाप करना होता था।	बालक को नये वस्त्र पहनकर मौलवी के पास लाया जाता था जहाँ बालक द्वारा कुरान की आयतों को दोहराना होता था। जो दोहरा [illegible] पर बिस्मिल्लाह कहना [illegible] होता था।

	शिक्षा अवधि / आयु |	
12 वर्ष तक अध्ययन / प्रत्येक वेद के लिये 12 वर्ष	प्रारम्भिक शिक्षा - 6 वर्ष से 12 वर्ष उच्च शिक्षा - 12 वर्ष 20/25 वर्ष	4 वर्ष 4 माह 4 दिन प्रारम्भि शिक्षा अ… थी |
	शिक्षा संस्थाये →	
गुरुकुल, गुरुवाद |	तक्षशिला (रावल पिंडी) नालन्दा, विक्रमशिला, सारनाथ वल्लभी (गुजरात), मिथिला, बोद्ध गया, मठ, विहार |	मदरसे मकतबे |